## महत्वपूर्ण एवं खास

### माशिमं ने पुनर्मूल्यांकन का नतीजा किया जारी

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2023 के पुनर्गणना/पुनर्मूल्यांकन का नतीजा जारी कर दिया गया है। माशिमं द्वारा इसके परिणाम विभागीय वेबसाईड पर अपलोड कर दिया गया है। परीक्षार्थी माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट सीजीबीएसई डॉट एनआईसी डॉट इन में अपना रोल नंबर इंटर कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। ज्ञात हो कि माशिमं ने बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी करने के बाद प्राप्त अंकों से असंतुष्ट विद्यार्थियों के लिए पुर्नमूल्यांकन और पुर्नगणना के लिए आवेदन लिया था। पुन: जांच व अंकों के मिलान के बाद अब फाइनल परिणाम जारी कर दिया गया है।

### मोतीपुर हादसा : सीएम ने जताया शोक-आर्थिक सहायता की घोषणा

**रायपुर (आरएनएस)।** महादेवघाट के आगे दुर्ग जिले में आने वाले पाटन ब्लॉक के मोतीपुर सडक़ हादसे में पिता-पुत्र की आकस्मिक मौत पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शोक जताया है। इसके साथ ही उन्होंने पीड़ित परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। पाटन ब्लाक में मोतीपुर में हुए सडक़ दुर्घटना में दो लोगों की मृत्यु पर मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मृतक राजेंद्र बारले और उनके पुत्र प्रभात बारले के प्रति शोक जताते हुए परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी देने की घोषणा की है। उन्होंने हादसे में घायल मृतक राजेंद्र की पत्नी और पुत्री के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है।

### पर्यवेक्षकों के 440 रिक्त पदों पर होगी भर्ती

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बड़ी संख्या में शासकीय नौकरियों में युवाओं की भर्ती की जा रही हैं। इसी कड़ी में राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) के 440 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन रिक्त पदों पर नियुक्ति छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से की जाएगी। पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा के लिए केवल छत्तीसगढ़ की मूल निवासी महिला उम्मीदवार ही पात्र होंगी। परीक्षा खुली सीधी भर्ती और परिसीमित सीधी भर्ती के माध्यम से ली जाएगी। खुली सीधी भर्ती के लिए कुल 220 पद हैं, जिसमें सभी वर्गों की महिलाएं आवेदन कर सकती है। इसी तरह परिसीमित सीधी भर्ती में भी 220 पद हैं, जिसमें कार्यरत पात्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आवेदन कर सकेंगी।

### छत्तीसगढ़ विधानसभा का 17वां सत्र 18 से 21 तक

**बालोद (आरएनएस)।** कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सर्व कार्यालय प्रमुखों, अनुविभागगीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया है कि विधानसभा का 17वां सत्र 18 जुलाई से 21 जुलाई 2023 तक आहुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान चाही गई वांछित जानकारी शासन को यथाशीघ्र समयावधि में भेजने हेतु अधिकारी-कर्मचारी को मुख्यालय में रहना आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि विधानसभा के 17वें सत्र के दौरान बिना उनके अनुमति के अवकाश पर प्रस्थान करेंगे ना हीं मुख्यालय से बाहर रहेंगे। उन्होंने कार्यालय में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करते हुए उनके नाम दूरभाष, पद नाम एवं मोबाईल नंबर की जानकारी कार्यालय कलेक्टर में तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

### दंतैल हाथी ने 6 से ज्यादा घरों में की तोड़फोड़

**जशपुर (आरएनएस)।** कुनकुरी वनपरिक्षेत्र के पुटुकेला और खरवाटोली में शनिवार को दंतैल हाथी ने जमकर उत्पात मचाया. इस दौरान गजराज ने दो गांव के 6 से ज्यादा घरों में तोडफ़ोड़ की. जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. क्षेत्र में लगातार हाथियों के विचरण के कारण ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं।

# ग्राम पंचायत स्तर पर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 का आयोजन 17 से

- सफल आयोजन के लिए समिति का किया गया गठन और जिला पंचायत सीईओ को बनाया गया नोडल अधिकारी

**जगदलपुर (आरएनएस)।** शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत स्तर से राज्य स्तर तक छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक 2023-24 का आयोजन किया जाना है। छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक आयोजन का दायित्व ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं नगरीय क्षेत्र में नगरीय प्रशासन विभाग को सौंपा गया है। आयोजन हेतु विकासखण्डों,नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक राजीव युवा मिता क्लब (ग्राम पंचायत / वार्ड) में जोन व विकासखण्ड स्तर, नगरीय एवं जिला स्तर पर निर्धारित तिथियों में छत्तीसगढिय़ा ऑलम्पिक 2023-24 का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर 17 से 22 जुलाई तक, जोन स्तर पर 26 जुलाई से 31 जुलाई तक, विकासखंड व नगरीय क्लस्टर स्तर पर 7 अगस्त से 21 अगस्त, जिला स्तर पर 25 अगस्त से 04 सितंबर और संभाग स्तर पर 10 सितंबर से 20 सितंबर 2023 तक आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विजय दयाराम के. द्वारा जिला स्तरीय ओलम्पिक आयोजन हेतु जिला स्तरीय समिति बनाई गई जिसके अध्यक्ष कलेक्टर है, समिति के सदस्यों में पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, नगर निगम आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और खेल एवं युवा कल्याण के सहायक संचालक है। इसी प्रकार सभी विकासखंडों के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजन समिति अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व)की अध्यक्षता में गठित की गई है। साथ ही छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक 2023-24 के ग्राम पंचायत स्तर (राजीव युवा मितान क्लब), जोन स्तर विकासखण्ड स्तर, जिला स्तरीय एवं संभाग स्तरीय सफल आयोजन हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

छत्तीसगढिय़ा ओलम्पिक आयोजन में महिला व पुरूष के लिए 3 वर्गों (18 वर्ष से कम, 18 से 40 वर्ष एवं 40 वर्ष से अधिक) में आयोजित किया जाना है। आयोजन सम्पादन के लिए स्थानीय व्यायाम शिक्षक, वरिष्ठ खिलाडिय़ों का सहयोग लिया जाएगा, प्रत्येक स्तर पर चयनित खिलाडिय़ों की चयन सूची विकासखण्ड स्तर एवं विकासखण्ड स्तर के आयोजन पश्चात जिला स्तर पर संकलित की जाएगी।

## इस बार हरेली में आम-नागरिकों को वन विभाग की ओर से सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी गेड़ी

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर वन-विभाग कर रहा है तैयारी
- वन विभाग के कार्यालयों और सी-मार्ट के जरिये की जाएगी बिक्री
- स्थानीय स्तर पर इच्छुक लोग बसोड़ों से भी खरीद सकेंगे गेड़ियां

**रायपुर (आरएनएस)।** इस बार हरेली त्यौहार पर शासन द्वारा आम-नागरिकों के लिए गेड़ी की सशुल्क व्यवस्था की जाएगी। वन-विभाग के कार्यालयों और सी-मार्ट में गेडिय़ां उपलब्ध रहेंगी, जिन्हें आम लोग निर्धारित शुल्क देकर खरीद पाएंगे। स्थानीय स्तर पर इच्छुक लोगों को बसोड़ों के जरिये भी गेड़ी सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बसोड़ों को भी आय प्राप्त होगी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर वन-विभाग द्वारा गेडिय़ों का निर्माण करके विक्रय किया जाएगा। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढऩे की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। त्यौहार के दिन ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है, परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते हैं। गेड़ी चढक़र ग्रामीण-जन और कृषक-समाज वर्षा ऋतु का स्वागत करता है। वर्षा ऋतु में के दौरान गांवों में सभी तरफ कीचड़ होता है, लेकिन गेड़ी चढक़र कहीं भी आसानी से आया-जाया जा सकता है। गेडिय़ां बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबरी दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाडक़र उसे दो भागों में बांटा जाता है, उसे रस्सी से फिर से जोडक़र दो पउवा बनाया जाता है। यह पउवा असल में पैरदान होता है, जिसे लंबाई में पहले काटे गए दो बांसों में लगाई गई कीलों के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती है, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है।

## ग्राम कोतरा में "पुलिस सहायता केन्द्र" का हुआ शुभारंभ

**रायगढ़।** जिले में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत प्रत्येक गाँव में "पुलिस जन चौपाल" लगाकर ग्रामीणों के शिकायतों का निराकरण एवं उन्हें अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है। इस दरम्यान ग्राम कोतरा में आयोजित पुलिस जन चौपाल में ग्रामीणों द्वारा ग्राम कोतरा में "पुलिस सहायता केन्द्र" की मांग वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष किया गया तथा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के जिले में आयोजित "भेंट मुलाकात" कार्यक्रम में भी जन प्रतिनिधियों एवं ग्राम कोतरा तथा आसपास के रहवासियों द्वारा कोतरा में पुलिस सहायता केन्द्र खोले जाने की मांग की गई थी।

ग्राम कोतरा में पुलिस सहायता केन्द्र की मांग व आवश्यकता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के विशेष पहल पर कोतरारोड़ पुलिस द्वारा ग्राम कोतरा के प्रतीक्षालय में वैकल्पिक रूप से "पुलिस सहायता केन्द्र" की व्यवस्था की जा रही है। आज "पुलिस सहायता केन्द्र" के शुभारंभ कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल द्वारा रिबन काटकर पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया।

एडिशनल एसपी संजय महादेवा ने बताया कि ग्राम कोतरा में पुलिस सहायता केन्द्र खुलने से असमाजिक तत्वों पर पुलिस का और भी नियंत्रण होगा। इसी के अनुरूप पुलिस सहायता केन्द्र में पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता की जावेगी तथा क्षेत्र में पुलिस की पेट्रोलिंग बढाया जावेगा तथा पुलिस की प्राथमिकता होगी की पुलिस सहायता केन्द्र आने वाले फरियादी की शिकायत/रिपोर्ट पर त्वरित कार्यवाही और निराकरण पुलिस सहायता केन्द्र से हो, उन्हें थाना/वरिष्ठ कार्यालय ना जाना पड़े।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईपीएस उदित पुष्कर, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी खरसिया निमिषा पांडे, उप पुलिस अधीक्षक (आईयूसीएडब्ल्यू) निकिता तिवारी, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शनिप रात्रे, थाना प्रभारी खरसिया निरीक्षक प्रशांत राव आहेर, थाना कोतरारोड़ उपनिरीक्षक गिरधारी साव एवं शहर के थानों के स्टाफ के साथ सरपंच ग्राम कोतरा रामकुमार पटेल, सरपंच ग्राम नवरंगपुर पदमालोचन पटेल, सरपंच ग्राम कुसमरा समतनारायण एवं काफी संख्या में आसपास गांव के रहवासी मौजूद थे।

## 7 जुलाई को राजधानी आएंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

**रायपुर (आरएनएस)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 07 जुलाई 2023 को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान पर प्रस्तावित दो कार्यक्रमों के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों/ कैमरामेन /फोटोग्राफरों को कव्हरेज के लिए फोटोयुक्त प्रवेश पत्र जारी किया जाना है। कार्यक्रम दो अलग-अलग जगहों पर आयोजित होंगे। कृपया दोनो कार्यक्रम स्थलों के लिए आप अपने मीडिया संस्थान में कार्यरत दो-दो संवाददाता/ फोटोग्राफर वीडियोग्राफरों को नामांकित (नाम, पदनाम, दूरभाष क्रमांक सहित) करते हुए इस आशय का पत्र जिला जनसम्पर्क कार्यालय, महिला थाने के पास छत्तीसगढ संवाद भवन (प्रथम तल) रायपुर में पासपोर्ट साइज के दो-दो फोटोग्राफ और संस्थान द्वारा जारी परिचय पत्र की फोटोकॉपी के साथ दिनांक 05 जुलाई 2023 दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें। ऐसे इलेक्ट्रानिक मीडिया संस्थान जिनका कव्हरेज ओ.वी. वैन के माध्यम से कराया जाना है। कृपया वे अपने पत्र में ओ.वी. वैन का कमांक / ओ.वी ड्राइवर/ओ.वी. इन्जीनियर आदि के नाम / पदनाम / दूरभाष का उल्लेख करते हुए दो-दो छायाचित्र और संस्थान द्वारा जारी परिचय पत्र की फोटोकॉपी देने का भी कष्ट करें।

## हाईटेक कैमरा चेक करेगा आपके वाहन का परमिट-फिटनेस, नहीं होने पर सीधे चालान



**रायपुर (आरएनएस)।** राजधानी की सडक़ों के साथ ही नेशनल हाईवे पर अब बिना फिटनेस और परमिट के चलने वाली गाडिय़ों का पता चुटकियों में चल जाएगा। बिना परमिट या फिटनेस सर्टिफिकेट के वाहन चलाने वाले मालिकों पर सीधे जुर्माना किया जाएगा।

राजधानी की सुरक्षा व यातायात सुविधा के लिए चौक-चौराहों में लगे हाईटेक सुविधाओं वाले इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम कैमरे की तर्ज पर अब नेशनल हाईवे पर भी कैमरा स्टांल करने की तैयारी है। बताया जाता है कि कैमरा लगाते समय इनमें ऐसा साफ्टवेयर अपलोड किया जा रहा है जो गाड़ी का नंबर स्कैन करके यह पता लगा लेगा संबंधित वाहन का इंश्योरेंस, परमिट, फिटनेस ओके है अथवा नहीं। इसके अलावा संबंधित वाहन का टैक्स क्लीयर है अथवा नहीं। इसके बाद इसकी सूचना कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी और फिर संबंधित वाहन मालिक को सीधे चालान भेजा जाएगा। बताया जाता है कि यह कैमरा शहरी क्षेत्रों में लगे सुरक्षा कैमरों से कई ज्यादा पॉवरफूल और एडवांस तकनीक का है। एनएच में लगने वाले ये सारे कैमरे सीधे आरटीओ साइट के कंट्रोल रूम से लिंक रहेगा। आरटीओ में बैठे कर्मचारी स्कैन होने वाले गाडिय़ों के संबंध में पूरी जानकारी तत्काल देख सकेंगे।

## विकास के नए रास्ते खोलेंगी छत्तीसगढ़ की सड़कें : मुख्यमंत्री बघेल

- छत्तीसगढ़ में भरोसे की राहें ला रही हैं समृद्धि :मुख्यमंत्री
- बीते साढ़े चार वर्षों में सडक़ें एवं पुलों के 7 हजार 406 कार्यों के लिए 16 हजार 670 करोड़ रूपए की स्वीकृति

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में विश्वास और विकास का जो रोडमैप तैयार किया है, वह अब आकार ले रहा है। छत्तीसगढ़ की सडक़ें यहां की लाइफ लाइन हैं जो आने वाले समय में विकास के नए रास्तें खोलेंगी, व्यापार बढ़ेगा , पर्यटन और ऐतिहासिक स्थलों के विकसित होने के साथ आर्थिक तौर पर छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाके समृद्धि की ओर बढ़ेंगे। यह सब कुछ संभव होगा सडक़ों के उन कारिडोर से जिसे बढ़ाने का काम जारी है।

राज्य में बीते साढ़े चार साल में राज्य में विभिन्न योजनाओं में सडक़ एवं पुल के 7406 कार्यों हेतु लगभग 16 हजार 670 करोड़ रूपए तथा इस दौरान भवनों के 419 कार्यों हेतु लगभग 908 करोड़ रूपए की स्वीकृति मिल चुकी है । विगत 4 वर्षों में राज्य मद के अंतर्गत 9884 कि.मी. सडक़ों का उन्नयन किया जा चुका है। इनमें 4 हजार 41 कि.मी. सडक़ों का नया डामरीकरण , 3 हजार 244 कि.मी. सडक़ों का डामरीकृत नवीनीकरण, 1 हजार 113 कि.मी. सडक़ों का चौडीकरण, 588 कि.मी. सडक़ों का मजबूतीकरण तथा 898 कि.मी. सडक़ों का सीमेंट कांक्रीटीकरण किया गया है।

मुख्यमंत्री बघेल के अनुसार विश्वास, विकास एवं सुरक्षा ही सरकार का मूलमंत्र है। मुख्यमंत्री के अनुसार छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना सबसे जरूरी है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीणों तक राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार माध्यम, रोजमर्रा की चीजें, रोजगार व आजीविका के साधन उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सडक़ एक महत्वपूर्ण साधन है।

### मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं बस्तर के अंदरूनी इलाके

बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बस्तर जैसे जिलों के दुर्गम इलाके धीरे धीरे मुख्य धारा में शामिल होते जा रहे हैं। सडक़ों के निर्माण और मरम्मत से किसानों की पंजीयन संख्या बढ़ी है, इन क्षेत्रों में धान की बिक्री बढ़ी है, वनोपज संग्रहण एवं विक्रय कार्यों में तेजी आई है और छत्तीसगढ़ में रोजगार के साधन भी उपलब्ध हुए हैं।

## रायपुर में तैयार हुआ गाड़ियों के लिए छत्तीसगढ़ का पहला ऑटोमैटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर, सड़क हादसों को कम करने के लिए बड़ा कदम

- अत्याधुनिक मशीनों के द्वारा जांची जाएगी गाड़ियों की फिटनेस

**जगदलपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार वाहनों के फिटनेस की जांच के लिए रायपुर में छत्तीसगढ़ का पहला ऑटोमेटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर तैयार हो चुका है। इस सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा वाहनों की फिटनेस की जांच की जाएगी। सडक़ हादसों को कम करने की दिशा में परिवहन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की दिशा में इस सेंटर की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप परिवहन विभाग द्वारा व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण के दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिवहन विभाग से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र को घर पहुंचा कर दिया जा रहा है। इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए ट्रांसपोर्ट गाडिय़ों के फिटनेस निरीक्षण के कार्य को भी विभाग ऑटोमैटिक करने जा रहा है इस संबंध में सचिव परिवहन एस.प्रकाश ने बताया कि अब फिटनेस निरीक्षण का कार्य मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वचालित मशीन के द्वारा किया जाएगाअआयुक्त परिवहन दीपांशु काबरा ने बताया कि ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर में मशीन के द्वारा रोलर ब्रेक टेस्ट, एक्सल भार टेस्ट, सस्पेंशन टेस्ट, साइड स्लिप टेस्ट, जॉइंट प्ले टेस्ट, स्टीयरिंग गियर प्ले टेस्ट, स्पीडो मीटर टेस्ट, स्पीड गवर्नर टेस्ट, एग्जॉस्ट गैस टेस्ट, हेड लाइट टेस्ट किए जाएंगे। ट्रांसपोर्ट वाहन को 08 वर्ष की आयु से पूर्व प्रत्येक 02 वर्ष में फिटनेस प्रमाण निरीक्षण कराना होता है। 08 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसपोर्ट वाहन को प्रत्येक वर्ष फिटनेस निरीक्षण कराना होता है। यह नियम यात्री और माल यान दोनों के लिए होता है, जोकि यात्री या माल ले जाने के लिये कमर्शियल वाहन के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

पूर्व में फिटनेस निरीक्षण का कार्य आरटीओ ऑफिस में इंस्पेक्टर के द्वारा किया जाता रहा है। इंस्पेक्टर द्वारा अनुभव के आधार पर विजुवल इंस्पेक्शन करने के बाद फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाता है। कई बार ऐसी परिस्थिति में वाहन-मालिक इस जांच से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं।

## बीजापुर के मद्देड़ बफर रेंज में बाघ की खाल के साथ 10 गिरफ्तार

**रायपुर (आरएनएस)।** इंद्रावती टायगर रिजर्व में एंटीपोचिंग के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की गई है। इंद्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर, सामान्य वन मंडल बीजापुर और एंटीपोचिंग उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व, गरियाबंद की संयुक्त टीम ने मद्देड़ बफर रेंज में 10 आरोपियों को बाघ की खाल के साथ पकड़ा है। वन विभाग द्वारा वन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देश पर एंटीपोचिंग के संबंध में निरंतर कार्यवाही हो रही है। इसी क्रम में मद्देड़ बफर रेंज में भी वन विभाग की नजर ऐसे मामलों पर बनी हुई है। मामलें के मुख्य आरोपी को ग्राम कांडला से गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।



वन विभाग लगातार इस संबंध में मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं का अन्वेषण कर रहा था। विभाग को यह जानकारी मिली कि तंत्र विद्या के लिए कुछ लोग बाघ की खाल प्राप्त करने में लगे हुए है। इस पर 15 सदस्यों की एंटीपोचिंग टीम गठित की गई। टीम ने ट्रैक करने पर सफेद रंग की मारूति वैगन आर को रूद्रागम गांव की ओर जाते देखा। गाड़ी का पीछा किया गया। गाड़ी रूद्रागम में एक व्यक्ति के घर रूकी और कार से पांच लोग उतरे और घर में प्रवेश किया। एंटीपोचिंग टीम जब घर में पहुंची तब उन्हें एक नग बाघ का खाल मिला। इसकी लम्बाई 2.15 मीटर और चौड़ाई एक मीटर है।

आरोपियों में आरती दास, विक्रम ठाकुर, प्रीतम लाल साहू, तामेश्वर जैन, काका दीपक, मनोज कुरसम, किशोर दशराहिया शामिल है। साथ ही अन्य दो आरोपी फरार है, जिनकी पतासाजी की जा रही है। यह कार्यवाही प्रधान मुख्य वन सरंक्षक व्ही. श्रीनिवास राव तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में गठित टीम द्वारा की गई। कार्यवाही के संयुक्त टीम में गंणवीर धम्मशील, उपनिदेशक इंद्रावती टायगर रिजर्व बीजापुर, वरूण जैन, उपनिदेशक उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व गरियाबंद और अशोक पटेल, वन मण्डलाधिकारी, वन मण्डल बीजापुर शामिल हैं।

इस विशेष टीम में इन्द्रावती टायगर रिजर्व से संजय रौतिया सहायक संचालक बफर हितेश कुमार ठाकुर वन परिक्षेत्र अधिकारी फरसेगढ़, संतोष लंकन वनपाल मददेड़ बफर एवं अन्य सभी मददेड़ बफर के स्टॉफ तथा सामान्य वनमण्डल से देवेन्द्र कुमार गोंड उपवनमण्डाधिकारी बीजापुर योगेश रात्रे वन परिक्षेत्र अधिकरी भैरमगढ़ एवं उदन्ति सीतानदी टायगर रिजर्व से गोपाल कश्यप, चन्द्रबली ध्रुवे, रोहित निषाद, ऋषि धुरव, फलेश दिवान, दिरेन्द्र धुरव, ओम प्रकाश राव, चुरामन लाल, तारकेश्वर देवांगन, भूपेन्द्र भेडिय़ा, शिव शामिल है। प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ कर वन्यप्राणी अधिनियम 1972 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

**Social Justice Union**

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

**अधिकार से न्याय तक**

**आवश्यकता**

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती एकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

**उद्देश्य एवं नियुक्तियां**

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

**मुख्य बिन्दु**

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

**पीड़ित संपर्क करें**

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

**अन्य बिन्दु**

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करावेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU